

BHARATIYA SINDHU SABHA NEWSLETTER

505, Shree Prasad House 35th Road, Bandra (W), Mumbai – 400050.
Volume 24 / No. 11

Price : Rs. 2/-
FRBRUARY 2019

Website: www.bharatiyasindhusabha.org E-mail: bssmumbai@gmail.com
Date of Publishing, Date of Printing, Date of Posting : **Last working day of the month**



पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद अमर जवाननि खे
भारतीय सिन्धू सभा तर्फा अश्रुपूरित विनम्र श्रद्धांजलि.

असांजे सुनहरे 'सुभाणे' लाइ
हुननि पंहिंजो कीमती 'अजु' कुर्बानु कयो.

SHRADHANJALI DAY ORGANISED BY BSS ON 17-02-2019



SHRADHANJALI DAY ORGANISED BY BSS ON 17-02-2019



BUDGET 2019 HIGHLIGHTS

Key Highlights

Mahesh Tejwani

1. Inflation

1.1 The average rate of inflation during 2009-2014 was a backbreaking 10.1%.

1.2 In contrast now it is brought down average inflation to 4.6% which is lower than the inflation during the tenure of any other Government.

1.3 If Govt had not controlled inflation, Indian families would have been spending around 35-40% more today on basic necessities such as food, travel, consumer durables, housing etc.

2 Fiscal Deficit

2.1 Fiscal Deficit From the high of almost 6% seven years ago, the fiscal deficit has been brought down to 3.4% in 2018-19

2.2 The current account deficit (CAD), against a high of 5.6% six years ago, is likely to be only 2.5% of GDP this year.

3. Foreign Direct Investments

India could attract massive amount of Foreign Direct Investment (FDI) during the last 5 years - as much as \$239 billion.

4. Reforms & steps against corruption in 5 years

4.1 Introducing Goods and Services Tax (GST) and other taxation reforms.

4.2 Banking Reforms and Insolvency and Bankruptcy Code (IBC)

4.3 The Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016 (RERA)

4.4 Benami Transaction (Prohibition) Act, 1988

4.5 The Fugitive Economic Offenders Act, 2018

4.6 The tax collections increased significantly from Rs 6.38 lakh crore in 2013-14 to almost Rs 12 lakh crore this year.

4.7 The number of returns filed have also increased from 3.79 crore to 6.85 crore showing 80% growth in tax base.

4.8 The average GST monthly tax collection in the current year is Rs 97,100 crore per month as compared to Rs 89,700 crore per month in the first year.

5. Direct Tax

1. No change in slab rate of Income Tax.

1.1 Whereas, Income Tax for individual taxpayers having total taxable income up to Rs 5 lakh is proposed to be Nil

1.2 i.e. Tax rebate u/s 87 of Income Tax Act, 1961 ('the Act') is proposed to be of

Rs.12,500/- (For A.Y. 2019-20, Rs.2,500/-) for individual taxpayers whose total income is up to Rs 5 lakh (for A.Y. 2019-20, Rs.3.5 lakh).

1.3 Further, no such benefit to individual Taxpayers having total income more than Rs 5 lakh and income tax will be continued to levy under the category of 5% slab on income above Rs.2,50,000/- to Rs.5,00,000/-.

2. For salaried persons, u/s 16 Standard Deduction is being raised from the current Rs.40,000 to Rs.50,000.

3. Exemption u/s 23(4) on levy of income tax on notional rent on a second self-occupied house is also now proposed

3.1 Currently, income tax on notional rent is payable if one has more than one self-occupied house

4. Amendment is proposed under section 23(5) of the Act that the period of exemption from levy of tax on notional rent on unsold inventories from one year to two year.

4.1 The period would be counted from the end of the year in which project gets completed.

5. Under section 194A of the Act, TDS threshold on bank interests is proposed to be increased from Rs. 10,000 to Rs 40,000.

6. Under section 194-I of the Act, TDS threshold on rental income is proposed to be increased from Rs. 1.8 lakh to Rs 2.4 lakh.

7. Under section 54 of the Act, the amendment is proposed to extend the deduction on

purchase/construction of two residential houses in India, if the capital gain does not exceed Rs 2 crore,

7.1 however, this benefit can be availed once in lifetime.

8 Income Tax Assessments to be 100% automated in two years.

9. IT Return processing in just 24 hours.

6. Other areas

6.1 There are other areas including Benefits to farmers, unorganized laborers, health benefits, make in India & many other benefits are given in this budget.

MAHILA VIBHAG MUMBAI

No monthly meeting of Mahila Vibhag in March 2019.

With Best Compliment From :



Dr. Laxman P. Kanal

Advocate Supreme Court & Legal Consultant
General Secretary (BJP Sindhi Cell Mumbai)

Film Censor Board Member
(Govt. of India Information & Broadcasting Ministry)

Secretary Bharatiya Sindhu Sabha Uvak Vibhag

Smt. Kiran L. Kanal

B.Com., LL.B

Office :

306, Briya House, 3rd Floor,
265, Bazar Gate Street, Fort, Mumbai - 400 001.

&
302-A, Vaikunth Annexe,
Near Swami Vivekanand College,
Sindhi Society, Chembur, Mumbai - 400 071

Residence

Plot No. 109, 6th Floor, Satnam Sharan Building,
Near Pink Corner, Chembur, Mumbai - 400 071.

101, Vaikunth Annex, Near Swami Vivekanand College,
Sindhi Society, Chembur, Mumbai - 400 071.

Tel. : 2524 5667 (R)

Mobile : 98200 66854

E-mail : laxmanpkanal@yahoo.co.in

Web : www.laxmankanal.com

सिन्धु दर्शन यात्रा 2019

अजु लेह दुनिया जो हिकु महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थान आहे, जेको भारत जे जम्मू कश्मीर प्रान्त में चीन ऐं पाकिस्तान जे विच में आयल आहे. लदाख्र खे दुनिया में बर्फीलो रेगिस्तान पिणि चयो वेंदो आहे.

सिन्धु दर्शन यात्रा 2019, सिन्धु दर्शन जी हीअ 23 वीं यात्रा थीदी. उन जी मुख्तसर विचूर हिन रीत आहे :- कुल 5 रूटनि रस्ते यात्रा शुरू थीदी.

1.Route 1 S.D1.: हवाई सफ़र

23 जून 2019 खां 27 जून 2019 ताई

दिल्ली खां लेह ऐं लेह खां दिल्ली हवाई सफ़र जे टिकेट जो समूरो बन्दोबस्त यात्रीअ खे करिणो आहे. लेह में 23 जून 2019 सुबुह जो पहुचणो आहे ऐं 27 जून 2019 सुबुह जो वापसि. प्रिन्टेड हवाई टिकेट पाण सां रखिणी आहे. न त हवाई अडे ते प्रवेश न मिली सघंदो. हवाई टिकेट + रु 16000/- वधीक पुछताछ फ़क्त S.D1 लाइ . श्री मनोज गोगिया-09821892716, सुश्री वन्दना पाठक-09968492494 ऐं श्री कमल खत्री 09212661495 .

2. Route 2 S.D2: (चंडीगढ़-लेह, लेह-चंडीगढ़)

19.06.2019 खां 29.06.2019 ताई

19.06.2019 शाम जो 7.00 बजे चंडीगढ़ खां मनाली लाइ बस खानी थीदी ऐं 29.06.19 वापसी यात्रा चंडीगढ़ में शाम जो 6.00 बजे पूरी थीदी. (रु. 20,000/-)

वधीक पुछताछ सम्पर्क: फक्त S.D2 लाइ

डॉ. विक्रम : 8053178303, 9821892712

डॉ. चन्द्र मोहन: 9816204444

श्री प्रिन्स पुदीर: 7027045966

3. Route 3 S.D3: (जम्मू-लेह, लेह-जम्मू)

18.06.2019 खां 29.06.2019 ताई

18.06.2019 : शाम जो 3.00 बजे जम्मूअ ते रिपोर्ट करिणी

19.06.2019 : सुबुह जो सवेल श्रीनगर लाइ खाना

29.06.2019 : शाम जो जम्मू में वापसी

वधीक पुछताछ सम्पर्क: फक्त S.D3 लाइ

श्री राजेश वाधवाणी :9826234458, 9821892713

श्री अशोक वांगनेकर: 9424008284

श्री सुरेन्द्र लखवाणी :9424974249

श्री सतीश मितल : 9419173686

श्री मुकेश लखवानी : 9825256315

4.Route 4 S.D4: (जम्मू-लेह-चंडीगढ़)

18.06.2019 खां 30.06.2019

18.06.2019 : शामजो 3 बजे जम्मू में रिपोर्ट

19.06.2019 : यात्रा शुरू सुबुह जे सवेल श्री नगर लाइ प्रस्थान

30.06.2019: सुबुह जो चंडीगढ़ पहुचण-यात्रा समाप्त.

वधीक पुछताछ सम्पर्क:फक्त S.D4 लाइ

श्री भगवानदास सबनाणी : 9425014600, 9821892714

श्री महेन्द्र तीर्थाणी :9414705705

श्री देवेन्द्र धाकड़ : 9414696668

श्री सुनील कुन्दनाणी : 9752746224

श्री योगेश (कर्नाटक) : 9964211085

श्री नरेश तलरेजा : 9827066766

5. Route 5 S.D5: (चंडीगढ़-लेह, लेह-जम्मू)

19.06.2019 खां 30.06.2019 ताई

19.06.2019 : शाम जो 7 बजे चंडीगढ़ खां मनालीअ लाइ

यात्रा प्रारम्भ 30.06.2019 श्री नगर खां जम्मू शाम जो पहुचण

ऐं यात्रा समाप्त.

वधीक पुछताछ सम्पर्क:फक्त S.D5 लाइ

श्री पुनित सांखला :9425616104, 9821892715

श्री साकेत मिश्रा: 9425509424

श्री जयंती ठाकुर : 8383067436

श्री जयकिशन गुप्ता : 8800595471

भारत जे बजेट जूं कुछु रोचक गाल्हियूं

बजेट छा आहे ?

बजेट जो मतिलबु आहे आमदनी ऐं खर्च जो सालियानो काथो या तख्मीनो. इन किस्म जे हिसाब किताब जां लिखियल कागज हिक नंढी ब्रीफ केस में विझी संबंधित अधिकारी/मन्त्री पार्लियामेन्ट में अची पेशि कंदो हुआ. बजेट अखर हकीकत में फ्रेन्च अखर “bougette” मां निकितल आहे जंही जी माना आहे “नंढी बैग (पेती)”.

भारत जी पहिरी बजेट:

उन वक्तु न फेबरवरी महिनो हो, न सुबुह जो समय ऐं न वरी भारत आज्ञाद देश हो, जइहि अगेजनि जे राज् में भारत जी पहिरी सरकारी बजेट पेशि कई वई. **7 अप्रैल 1860ई.** में ब्रिटिश सरकार पंहीजी पहिरी बजट, उन वक्त जे वित्त मन्त्री **श्री जेम्स विल्सन.** शाम जा 5 बजे पेशि कई. बी बजेट बि शाम जे 5 बजे **सन् 1924 ई. में सर बेसिल ब्लेकेट** पेशि कई हुई.

ब्रिटिन में इहा रवायत आहे त बजेट जा कागज हिक ब्रीफ केस में रखी वित्त मन्त्री पार्लियामेन्ट में खणी वेंदो आहे. उहा ई ब्रीफकेस हिक वित्त मन्त्री खां ब्रिए मन्त्रीअ वटि वेंदी आहे. भारत में इएं कोन्हे. हर वित्त मन्त्री पंहीजी दिल पसंद कलर ऐं ब्रांड वारी ब्रीफकेस खणी ईदो आहे.

आज्ञाद भारत जी पहिरी बजेट **26 नवेम्बर 1947 ई.** ते **सर आर.के. षणमुखम चेटीअ** पेशि कई हुई. उहा पहिरी बजेट देश जे बटवारे ऐं हिंसिक वारदातनि खे ध्यान में रखी बणाई वई हुई. इन पंहीरी बजट वक्ति सर आर.के. षणमुखम बजट जा कागजात वडी पेटीअ में भराए खणी आयो हो, पर अजु कल्ह वित्त मन्त्री बजेट पेपर ब्रीफ केस में खणी ईदा आहिनि. हीअ बजेट बि अन्तिरम बजेट हुई जेका साढनि सतनि महिननि लाइ हुई, हाणे हिन साल जी बजेट 1 फेबरवरी 2019 ई. ते पार्लियामेन्ट में बजेट पेशि थी जा बि अन्तिरिम बजेट आहे.

योजना आयोग:-

1949-50 ऐं 50-51 में जॉन मथाई द्वारा पेशि कयल

बजेट में योजना आयोग जे गठन जो एलान कयो वियो, हिन बजेट में भारत मां राजाशही खत्म करण सबबु राजाउनि खे सालियानो वजीफो डियण बाबति जो प्रबन्ध कयो वियो हुआ. सन् 1957 ई. में श्री क्रिष्णामिचारी कल्दोर बजेट पेशि कई, जंही पहिरियो दफो आमदनीअ खे बिनि भाडनि में विरिहायो, हिकु पघार ऐं धंधो ब्रियो व्याज ऐं मसिवाडूं.

बजेट ऐं जन्म डिहुं:-

श्री मोरारजी भाईअ देसाईअ 1959-61 ऐं 1963-64 में पेशि कयल बजेटू ऐं 1962-63 में पेशि कयल अन्तिरम बजेट फेबरवरी महिने जे आखिरी डीहं ते 5 बजे शाम जो पेशि कयूं. जोगानुजोग उहे डीहं श्री मोरारजीभाईअ जो जन्मु डीहं हुआ

महिला द्वारा बजेट:-

श्री मोरारजी देसाईअ खां पोई श्रीमती इन्दिरा गांधी प्रधानमन्त्री बणी जंही 1970-71 जी बजेट पेशि कई.

ब्लैक बजेट:-

1973-74 में पार्लियामेन्ट में पेशि कयल बजेट रु 550 करोड़ रुपयनि जी खोटि वारी पेशि कई वई. इनकरे उहा बजेट भारत जी ब्लैक बजेट चई वने थी.

कॉर्पोरेट टैक्स:-

प्रधानमन्त्री राजीव गाँधी 1987-88 में पेशि कयल नई बजट में कम्पनियुनि मथां नई कॉर्पोरेट टैक्स (मिनीमम आल्टनेट टैक्स) नाले टैक्स विधी.

हलवा-रस्म:-

बजेट जा दस्तावेज, बजेट पेशि करण खां हप्तो अगु छपाईअ लाइ मोकिलिया वेंदा आहिनि, छापण खां अगु हलवा-रस्म कई वेंदी आहे, जंही में प्रेस में कमु कंदडनि जो मुंहु मिठो करायो वेंदो आहे. झझे अंदाज में हलवो ठाहियो वेंदो आहे ऐं सजे स्टाफ ऐं मददगारनि में विरिहाए मिठो वातु करायो वेंदो आहे. खुदि वित्त मन्त्री अची सभिनी खे हल्वो खाराईदो आहे. उन खां पोइ उन समूरे स्टाफ ऐं मददगारनि खे एकांतवास में रखियो वेंदो आहे याने फ्रवतु छपाईअ जो कमु वगैरह जो कमु कंदा रहंदा पर दुनिया खां दूर रहंदा आहिनि. न फोन न चिट्टी न अखबार, खाधो पीतो रहणु करणु सभु उते. बाहिरिये माणहुनि सां मिलणु गाल्हाइणु सभु बन्दि हूंदो आहे.

बजेट पेशि थियण खां पोइ ई पूरे स्टाफ जो एकांतवास

खरतुतु शीदी आहे.

बजेत पेशि करणु:-

2016 ई. ताई बजेत फेब्रवरी महिने जे आखिरीं डीहं ते पेशि कई वेंदी हुई. 2017 ई. खां फेब्रवरीअ जे पहिरीं तारीख ते पेशि कई वेंदी आहे.

रोचक गाल्हियूं

1. हेलताई वधि में वधि बजेत पेशि कंदड़ वित्त मन्त्री हिन रीति आहिनि.

श्री मोरारजी देसाई- 10 बजेत

श्री चिदम्बरम-9 बजेत

श्री प्रणव मुखर्जी-8 बजेत

श्री यशवन्त सिन्हा, श्री यशवन्तराज चव्हाण,

श्री सी.डी.देशमुख, हर हिक 7 बजेत

श्री मनमोहन सिंघ ऐं श्री टी.टी.कृष्णामिचारी हर हिक 6 बजेत.

2. हिन साल याने 2019 ई. जी बजेत वित्त मन्त्री श्री अरुण जेटली नातन्दुरस्त हुअण सबबु न पेशि करे सधियो पर हुन जे बदिरां रेल मन्त्री श्री पियुष गोयल बजेत पेशि कई. श्री पियुष गोयल पेशे सां चार्टर्ड अकाऊन्टन्ट आहे.

ही कहिडो मां सिन्धी आहियां

ही कहिडो मां सिन्धी आहियां,
सिन्धीअ में पर नथो गाल्हियां.
अंग्रेजीअ में गिटपिट कयां थो,
अंग्रेजीअ खे ही थो भायां.

हरिको चवे थो बोली असांजी,
सभ खां मिठिडी हुंदी आहे.
माऊ बि असांजी बार नंढे खे,
लोली उन में डीदी आहे.

पोइ बि नथी वने गाल्हि मराज में,
छो नथो पाण खे इहो समझांयां.

ही कहिडो मां सिन्धी आहियां.

हरिको पुछे थो जात मुहिंजीअ लाइ,
मां थो चंवा मां सिन्धी आहियां.
छो न था पोइ गाल्हाई सिन्धीअ में,
बुधी उहो कंधु पंहिजो थो फेरयां.
शर्म अचे थो अंदर में घणोई,
कंहिखे कंहिखे मां वनी बुधायां.
ही कहिडो मां सिन्धी आहियां.

न माउ मूंसा गाल्हाए सिन्धीअ में,
न पीउ बि मुंहिजी हिमथ वधाए.
मूंखे डॉक्टर इंजीनीयर ठाहिण लाइ,
बस कंयाऊं सदाई पाण में लड़ाई.
जीवन हाणे डादो थो पछितायां,
ही कहिडो मां सिन्धी आहियां.

जीवन वाधवाणी

चूडूं 2019 ई. ऐं सिन्धी समाज जो फ़र्जु

चाणक्य चयो आहे त कंहि बि देश खे बर्बादु
करण में वडो हथु उन्हनि जुवाननि ऐं पढियल गृढिहियल
विद्वाननि जो आहे जेके चवनि था त "मूंखे राजनीतिअ
सां नफ़रत आहे. यादि रखो राजनीती ई आहे जा कंहि
देश जो भविष्य तय करे थी"

इन कारे हे! सिन्धी नौजुवानो ऐं विद्वान सज्जणो! भारत
जे भविष्य खे संवारण जो मौको अची रहियो आहे. तव्हां खे वेनिती
आहे त हेठियुनि गाल्हियुनि ते जरूर ध्यान डियो.

इहा पक क्यो त तव्हांजो नालो वोटर लिस्ट में आहे. पंहिजी
विधान सभा वारी एराजीअ में लिस्ट डिसी पक क्यो या इन्टरनेट
जरिए www.eci.nic.in तां मदद वठी सघो था.

देश जो भविष्य बनाइण में तव्हांजो सहयोग तमामु जरूरी
आहे. इनकरे सुस्ती छडे वोट जो इस्तैमाल कयो.

विश्व मातृभाषा डीहं

हिक दफे अकबर बादशाह जे दरिबार में हिक विद्वान जो अचणु थियो. विद्वान घणियूं बोलियूं जाणंदडु हो. हुन काफ़ी बोलियूं ग़ाल्हाए ड़ेखारियूं. ऐं अकबर बादशाह खे चयाई, "राजन! मूं बुधो आहे त तव्हां वटि काफ़ी चतुर मन्त्री आहिनि. मुंहिजी मातृभाषा कहिडी आहे, इहो केरु बुधाए सघंदो?" बीरबल अखिर जे इशारे सां बादशाह खे निश्चित रहण जो इशारो कयो.

देरि राति जो बीरबल अकबर बादशाह खे साणि करे गहिरी निंड में सुम्हियल विद्वान मथां तमामु थधे पाणीअ जो मटिको खणी लेटायो. विद्वानु छिर्कु भरे उथियो ऐं भुणिकन्दे कुड्डु चयो. बीरबल तुरु ई अकबर बादशाह खे चयो, "बादशाह सलामत ! जइहिं कोबि माण्हू गुस्से में अचे या ढिजी वने थो त हू पहिरीं पंहिजी मातृभाषा खे यादि कंदो आहे!"

21 फेब्रवरीअ हर साल ते "विश्व मातृभाषा डीहं" करे सजी दुनिया में मल्हायो वेंदो आहे. पर इहो जाणी अजबु थो लग्ने त सन्सार जे सभिनी भाषाउनि में पुराणीअ में पुराणी भाषाउनि मां हिक सिन्धी भाषा जी हिन वक्तु केतिरी न दुर्दशा थी रही आहे, सा कंहिं खां गुझी कोन्हे!

अजु सन्सार में 6912 भाषाऊं आहिनि, जंहिं मां अधोअधि भाषाऊं 'वेन्टीलेतर' ते आहिनि. भारत में ई कुलु 900 भाषाऊं/ बोलियूं आहिनि, जंहिं मां घणनि ई बोलियुनि जो वजूदि खतिरे में आहे या सुफ़हे हस्तीअ तां मेसारिजियूं पयूं वननि. असां जे भारत जे अण्डमान जूं 'बू' ऐं 'जीरू' भाषाऊं हाणे माजीअ में समाइजी चुकियूं आहिनि. **चवंदा आहिनि त हर भाषा सां उन जी संस्कृति जुडियल हूंदी आहे. भाषा जे लुप्त थियण ते उहा संस्कृति पिणि लुप्त थी वेंदी आहे.**

सन् 2000 ई. खां वठी हर साल 21 फेब्रवरीअ ते

"विश्व मातृभाषा डीहं" करे मल्हायो वेंदो आहे, जंहिं जी शायदि थोरनि खे जाण हुजे! युनस्को तरिफां सन् 1952 ई. में हिकु ठहिराउ पासि कयो वियो त **विश्व जो हर देश पंहिजे बारनि खे प्राइमरी तालीम उन्हनि जी मातृभाषा में ड़िए**, सन् 1999 ई. जे 17 नवम्बर ते ब्रियो ठहिराउ पासि कयो त सजे विश्व में 21 फेब्रवरी "विश्व मातृभाषा डीहं" करे मल्हायो वने, जेको सन् 2000 ई. खां अमल में आयो.

सन् 1947 ई. ते हिन्दुस्तान ए विरिहाडे बैदि पाकिस्तान नाले हिकु नओं मुल्कु वजूद में आयो, जेको बि ब्रिनि हिसनि में विरिहायलु हुओ. ओभरु पाकिस्तान ऐं ओलहु पाकिस्तान. बिन्ही हिसनि ते हिक ई सरकार जो राजु हुओ, जिनि में घणाई पाकिस्तान वारनि जी हुई. ओल्ह पाकिस्तान वारा उर्दूअ खे सरकरी भाषा बनाइण जे हक में हुआ ऐं ओभर पाकिस्तान वारा बंगाली भाषा जे हक में. नतीजो इहो निकितो जो बिन्ही धुरियुनि में तिरिषी वधण लगी. सरकर ते कब्जो ओलहु पाकिस्तान जो हुओ, इनकरे ओभर पाकिस्तान में विद्यार्थियुनि आंदोलन हलायो त बंगाली भाषा खे सरकार में उचित स्थान मिले!

इन आंदोलन जोरु वरितो ऐं उग्रो रूप धारणु कयो. सरकार खे गोलीबाजी करिणी पई, जंहिं में चार विद्यार्थी शहीदि थिया. उन खां पोइ आंदोलन चैनी तर्फनि में फैहिलिजी वियो ऐं सरकार खे आखिर झुकिणो पियो. **अहिडे किस्म जो आंदोलन जंहिं में नौजवान पंहिजी मातृभाषा लाइ शहीदि थिया हुजनि, शायदि दुनिया में पहिरियो मिसालु आहे!**

सन् 1971 ई. में ओभरु पाकिस्तान, पाकिस्तानी सरकार खां अलगु थी हिकु नओं स्वतंत्र **बंगला देश** नाले मुल्कु बणियो, ऐं हिन लडाईअ में हजारें माण्हू मुआ. बंगाली भाषा खे सरकारी भाषा बणाई वई. ढाका युनेवर्सिटीअ, जंहिं हन्धि पहिरीं चार नौजवान शहीद थिया, उते हिकु स्माएअक ठहियो वियो आहे ऐं हर साल 21 फेब्रवरीअ ते "मातृभाषा डीहं" करे मल्हायो वेंदो आहे.

मातृ भाषा लाइ हजारें माण्हू शहीदि थियनि, पर हिति त उल्टी गंगा वही रही आहे! आजादीअ जी लडाई लडंदड नेता घणो करे अंग्रेजियत जा गुलाम हुआ! पोइ चाहे मोतीलाल नेहरू हुजे या जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गाँधी हुजे या बाबा साहेब अम्बेडकर, सभु विलायत वगी बैरेस्टर थी मोटिया. उन्हनि मथां अंग्रेजी भाषा जो ज़बर्दस्तु असरु हुआ. भारत जो संविधान पहिरीं अंग्रेजीअ में ई लिखियो वियो हो! जोड़जक ठाहिण वक्ति बहसि मुबाहिसो, काइदनि जोड़ण जो कमु वगैरह सभु अंग्रेजीअ में थीदो हो. असां लाइ केडी न शर्म जी गाल्हि हुई !! असां जी केडी न लाचारी हुई ! आजादी मिलण खां पोइ बि बिनां कंहि रंडक जे बिनां कंहि विरोध जे अंग्रेजी भाषा खे सरकारी कम कार जी भाषा बणाई वई. अजु पिणि सागी हालत आहे! अजु बि संसद में सजी कारवाई घणो करे अंग्रेजीअ में ई थी रही आहे ! बजेट पिणि अंग्रेजीअ में पेशि कई थी वने!

असां अइहिं अंग्रेजनि जा गुलाम हुआसीं, तइहिं अंग्रेजनि खे धिकारींदा हुआसीं. लॉर्ड मैकाले हिक नओं रस्तो कदियो. हुन भारत में अंग्रेजी तालीम जो पायो विधो. अंग्रेजी पढियलनि खे नौकिरीअ में अगिराई डिनी वई. माण्हुनि खे नौकिरी करण लाइ हिमिथायो वियो. नतीजो इहो निकितो जो हरिको अंग्रेजी पढण लगो. जेके अंग्रेजीअ जा विरोधी हुआ, उहे ई उनजा भगत बणिजी पिया! चालाक अंग्रेज जइहिं हिन्दुस्तान छडे वणण लगा, तइहिं सता जी डोर अहिडनि माण्हुनि खे डींदा विया, जेके अंग्रेजियत जा भगत हुआ! भारत जी भोरिडी जनता उन्हनि जे पुठियां हलण लगी. गाँधीजीअ पिणि ज़िन्दगीअ जे पोयनि डींहनि में मातृभाषा जी अहिमियत सम्झी ऐं बरानि खे शुरूआती तालीम मातृभाषा में मिलणु घुरिजे अहिडी हिमायत कई. पर आम लोकनि जे दिमाग में जेका शुरूआती गाल्हि घरु करे वई हुई, सा निकिरणु डाढी डुखी हुई. अंग्रेजी भाषा में पढियल तबके खे सरकारी नौकिरियूं, म्युनिसिपाल्टी, प्रान्तनि जे राज्य सरकारिनि ऐं देश जे संसद में पहुचण में सहलियत पिए थी. देश जे विरिहाडे

खां पोइ अजु पिणि अहिडनि माण्हुनि खे सवलाईअ सां नौकिरी मिले थी, जेके अंग्रेजी सुठीअ तरह जाणनि था. अहिडियुनि हालतुनि खे बदिलाइण जी सरख्त जरूरत आहे।

अंग्रेजी सभ्यता डांहुं माइलु थियणु माना पंहिजी सभ्यता खां परे थियणु ऐं जेको पंहिजी सभ्यता खां परे थीदो, उहो कइहिं बि पंहिजी मातृभूमी, पंहिजी मातृभाषा डांहुं वफ़ादारु नथो थिए. इनकरे असां पाण ऐं पंहिजे बरानि खे पंहिजी मातृभाषा डांहुं वफ़ादारु रहण जी सिख्या डियूं.

भारतीय सिन्धू सभा स्थापना डींहुं

सिन्ध में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जी शुरुआत 1939 ई. में थी. असां सभु हिन संस्था जा स्वयं सेवक सडाईंदे गर्व महिसूसि कंदा आहियूं.

भारत जे बदिकिस्मत विभाजन सबबि असां पूरे भारत में टिडी पखिडिजी वियारीं.

किस्मत सां भारत में तारीख 21 जनवरी 1978 ई. में 48 सिन्धी स्वयं सेवक इल्लाहाबाद जे कुम्भ जे मेले में गडिजी विया. संगठन में शक्ति आहे, इहा सोच खणी हिननि 48 स्वयं सेवकनि सिन्धियुनि जी हिक आदर्श संस्था निर्माणु करण जो फ़ैसिलो कयो.

तदनुसारु 29 मार्च 1979 ई. विस्पत चेटी चण्ड जे पवित्र डींहुं भारतीय सिन्धू सभा नाले संघठन जी स्थापना कई वई.

अजु सारे भारत में लगुभगु सभिनी प्रान्तनि में जित सिन्धी समाज जी सुठी संख्या आहे, भारतीय सिन्धू सभा जूं शाखाऊं आहिनि.

हेडी वडी संस्था खे हलाइण ऐं सेवा कार्य जारी

रखण ऐं वधाइण लाइ आर्थिक सहाय जी जरुरत पवे थी. इन करे भा.सि.सभा जे केन्द्रीय प्रतिनिधि सभा में इहो फैसिलो कयो वियो त भारत भर में फैहिलियल भारतीय सिन्धू सभा जूं सभु शाखाऊं हर साल 29 मार्च भारतीय सिन्धू सभा जो "स्थापना डीहूं" करे मल्हाईदियूं ऐं जहिडे नमूने संघ में गुरु दक्षणा जो उन्सव मल्हायो वेंदो आहे, ठीकु उन नमुने उन डीहूं हर शाखा में निर्धारित कयल जगह ते कठो थी बंदि लिफाफे में पंहिजी समर्पण निधि भेट कंदा, जा कार्यक्रम पूरे थियण खां पोइ प्रान्तीय अध्यक्षनि खे मोकिली वेंदी.

उमेद आहे त हिन सालु घणे अंदाज में कार्यकर्ता गडिजी हिन कार्यक्रम खे सफलु बणाईदा.

समाचार

(1) भा.सि.सभा., उल्हासनगर: श्रीमती जयश्री आहूजा, भा.सि.सभा, महिला विभाग उल्हासनगर तर्फा जनवरी 2019 ई. महिलाऊं नई मुम्बई जे महिला विभाग जे महिलाउनि सां गडिजाणी कई, जिते मंझंद जी रसोईअ खां पोइ गीत संगीत जो गडियल कार्यक्रम कयो वियो.

6 जनवरीअ ते महिलाउनि लाइ फ्री केन्सर मेडीकल चेकअप कैम्प लगाई वई. डॉ. प्रीतम कलसकर ऐं डॉ. कुमारी भावना पटेल पंहिजियूं सेवाऊं डिनियूं. कैम्प में 52 महिलाउनि भागु वरितो.

14 जनवरीअ ते तिर मूरी ऐं लाल लोईअ जो शानदारु कार्यक्रम कयो वियो. जंहि में 130 मेम्बरनि हिसो वरितो. भा.सि.सभा. जे अध्यक्ष श्री बचाराम रुपचंदाणी, श्री वरंदमल कुकरेजा, डॉ. श्याम बठीजा ऐं महिला विभाग अध्यक्ष श्रीमती जयश्री आहूजा जे अथक प्रयासनि सां कार्यक्रम तमामु सुठे नमूने सम्पन्न थियो. ^

हिन डीहूं ते भा.सि.सभा उल्हासनगर महिला विभाग जो स्थापना डीहूं हुओ.

21 जनवरी देशभक्त हेमू कालाणीअ जो शहीदी डीहूं तमामु शानाएते नमूने सां मल्हायो वियो.

25 जनवरी लोकशाही डीहूं ते के.सी.डीफ स्कूल जे ब्यारनि खे सुखिडियूं, टोल वगैरह डिना विया.

26 जनवरी रेडक्रास सोसाइटीअ में लोकशाही डीहूं ते झंडे जी सलामी, भारत माता ऐं हेमू कालाणीअ जे प्रतिमा ते गुल चाढे दीप जगाए गीत ऐं प्रसाद खां पोइ नाशतो डिनो वियो.

(2) भारतीय सिन्धू सभा, दिल्ली: भारतीय सिन्धू सभा, दिल्लीअ सिन्धी समाज में हिकु नओं इतिहास रचियो आहे. पूरे भारत में पहिरियो दफो कंहि प्रदेश जी विधान सभा में शहीद हेमू कालाणीअ जो चित्र लगायो वियो हुजे, उहो दिल्लीअ जे विधान सभा में लगायो वियो आहे. हिन उत्सव ते भारतीय सिन्धू सभा जा केन्द्रीय कार्याध्यक्ष श्री लधाराम नागवाणी खासि उपस्थित रहिया, जंहिजो पुरजोश स्वागत स्मृति चिन्ह डेई दिल्ली विधानसभा जे अध्यक्ष श्री रामनिवास गोयल कयो. लगभग 7 हजार सिन्धी समाज जा माण्हू हिन मौके ते हाजुर रहिया. सिन्धी अकादमी तर्फा सिन्धी देशभक्तिअ जा गीत, कला ऐं संस्कृति विभाग, दिल्ली सरकार तर्फा हर भाषा में नृत्यजा रंगारंग कार्यक्रम पेशि कया विया.

3. भारतीय सिन्धू सभा, गुजरात: भारतीय सिन्धू सभा तर्फा गुजरात जे केतिरनि ई शहरन में हेमू कालाणी शहीदी डीहूं घणी सिक सां मल्हायो वयो. 32 शाखाउनि में विविध प्रकार जा कार्यक्रम क्या वया, जंहि में वेषभुषा, निबंध चटा भेटी, वकृत्व स्पर्धा, नाटक, नृत्या वगैरह हुआ. अहमदाबाद, गांधीधाम, सुरत, भावनगर, राजकोट, बड़ोदा, जामनगर, तलोद, जेतपुर, डीसा, विसनगर, इयादी में डाढा सुठा कार्यक्रम थिया.

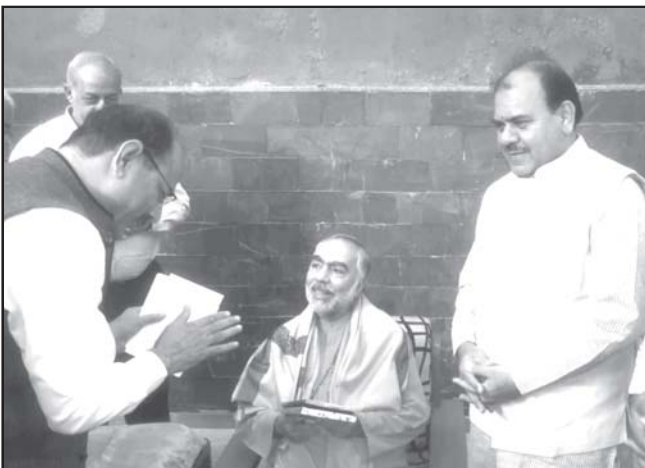
गुजरात में हेमू कालाणी शहीदी डीहं मल्हायो वियो.



श्री लधाराम नागवाणी जो दिल्ली विधान सभा जे स्पीकर द्वारा स्वागत

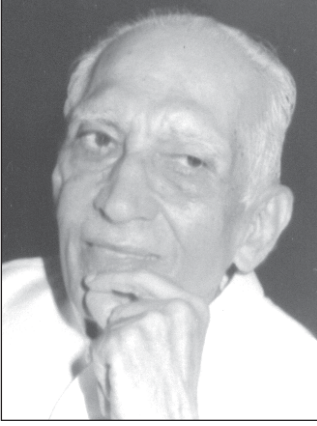


श्री लधाराम नागवाणी जो सन्तनि सां गोष्ठी

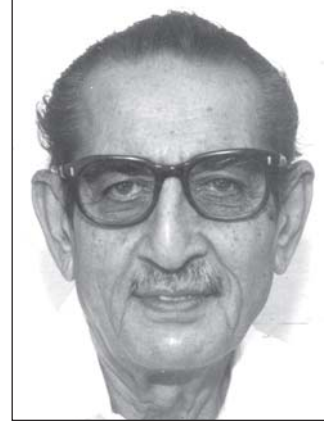


शत् शत् नमन
जन्म डीहं ते

दादा इमटमल वाधवाणी
10 मार्च 1921



दादा हशु आडवाणी
22 फेब्रवरी 1926



With Best Compliments

Contact for Air Bookings

**HARISONS
INTERNATIONAL**

353, Kalbadevi Road,
Mumbai - 400002
Tel.: 22404901

With Best Compliments From

**SEAWAYS MARITIME
&
TRANSPORT AGENCIES
P LTD
SEAWAYS
SHIPPING AGENCIES**

509/510/521, VYAPAR BHAVAN, P. D'MELLO ROAD,
CARNAC BUNDER, MUMBAI - 400009 (INDIA)
TEL.: 23486115 / 23486116 / 40425333 (Hunting)
Direct : 6631 4137 (VBD) Fax : 91-22-23488702

E-mail : doolani@seaways.in
nirav@seaways.in
bhisham@seaways.in

M : 9820058789 (VBD) 9920058789 (Nirav)
9820158586 (Bhisham) 9820056607 (Vijay)

Centenary Celebrations



धर्म लाइ जियूं असीं

धर्म लाइ जियूं असीं, समाज लाइ जियूं असीं.
ही धडकनूं ही साहु बि, कुर्बानु कयूं था असीं.

गर्व सां सभेई चऊं, सिन्धी आहियूं-हिन्दू आहियूं
देश-धर्म-संस्कृतिअ खे, अजु असीं वरी बचायूं
स्नेह भावना रखी, कदमु वधायूं था असीं-- 1

कोटि-कोटि कंठ सां, हिन्दू धर्म गर्जना,

संगठन जी शक्तिअ सां, मातृ भू जी अर्चना,
संघ शक्ति कलियुगे, दिलि में धारियूं वरी-- 2

हर सिन्धीअ में जाग्रे, समाज भक्ति भावना,
व्यक्तिअ खे समाज सां, जोड़ण जी साधना,
एक्ता जे मंत्र जो, जापु कयूं था असीं-- 3

हिक दिव्य ज्योतिअ सां, असंख्य दीप बुरनि था,
झूलण जो आसिरो वठी, सिन्धी सभु जिअनि था,
सिन्धियत जी जोति खे, बुरंदइ सदा रखूं असीं- 4

KHANCHAND & SONS

T : 022-22826725 L.K. CHANDIRAMANI M: 9321027259

پهرين کيس ممبئيءَ جي بائڪلا ۽ ٿاڻا جيل ۾ رکيو ويو. پوءِ کيس ۱۹۱۱ع تي سيلبولر جيل انڊمان ۾ موڪليو ويو. جيل ۾ کيس تيل جي ۽ هاڻيءَ تي رکيو ويو. تن تي فقط لنگوٽي پائي کيس سڄي ڏينهن ۾ ۱۳ لٽر يا وڌيڪ تيل ڪڍڻو پوندو هو. رات جو اونداهي ڪوئيءَ ۾ موڪليو ويندو هو! جتي نه ڪير اچي سگهي نه وڃي سگهي. نه ڳالهائي سگهي.

هن جي ڪرانتيڪاري ويچارن سان گڏ سندس لکڻي به غضبناڪ هئي جنهن کيس مراني ساهتيه ۾ امر اسٽان تي آڻي ڇڏيو. بندي اوستا ۾ هن ڪافي ڪويناٽن جي رچنا ڪئي. اهي ڪويتائون پهرين ڀيٽ تي لکندو هو ۽ پوءِ بر زبان ياد ڪري ڇڏيندو هو. 'ڪملا' نالي ڪاويه سنڱره هن جي مشهور رچنا آهي، جيڪا هن جيل جي ديوارين تي لکي هئي. ڪاري پاڻيءَ جي سزا جا انيٽو به هن ۱۴ سالن تائين دل ۾ سانڍي رکيا. ڇڏهن جيل مان ۱۹۳۳ع ۾ ٻاهر نڪتو، تڏهن اهي قلمبند ڪيا. پر هن کي ڪويتائون لکڻ جو ڏاڍو شوق هو. هن ويچار ڪيو ته مراني پاشا ۾ انوشٽپ چند تي ڪنهن خاص ڪم نه ڪيو آهي، ان ڪري هن پنهنجين ڪويتائون تي ان چند جو پريوگ ڪيو. اهو ڏيکاري ٿو ته هن کي ساهتيه لاءِ پريم ۽ ڪيتري نه اونهي ڄاڻ هئي!

انگريز سرڪار خلاف هيءُ ٻين قيدين کي نه برغلائي، اهڙو انديشو هميشه انگريزن کي سنائيندو هو، ڇو جو ساورڪر جي ڳالهڻ جو انداز ئي اهڙو هو جي سڀني قيدين کي موهي ڇڏيندو هو. جيل ۾ مسٽر باري نالي هڪ انگريز اڏيڪاري هو جيڪو سڀني قيدين جي سار سنڀال رکندو هو. هو تمام سخت سپاڙو جو هو. پر ساورڪر جي فلاسافي پريل ڳالهين جو شائق ٿي پيو.

۲۶ فيبروري ۱۹۲۶ع تي اهڙي مهان ويوتيءَ پرٿويءَ تان وداع وٺي وڃي ايشور در واسو ڪيو.

جي سلاخن پٺيان رهندي به آزاديءَ لاءِ تڙپ، ساورڪر جي اڏيٽ لکڻي ۽ ڇپدي پاشا، اهي سڀ مٿي ڏنل فقري مان نمايان آهن!

وڻايڪ ساورڪر، ڀارت جي اتهاس جو اهڙو نائڪ آهي جنهن کي زبردستيءَ ووادن جي ۽ هيري ۾ آندو ويو آهي. ڪن جي لاءِ هوزيرو آهي ته گهڻن لاءِ هيرو. پر هن جو نالو صفيح-ي-هستيءَ تان قطعي مٽائي نٿو سگهجي. سوا اٺن ڏهاڪن جي لمبي وقت تائين ساورڪر راشٽريه چيننا جاگرت ڪرڻ ۾ اهم ڀوميڪا نڀائي آهي. هن جي لکيل جيل ڊائريءَ ۾ ۱۴ سال درميان هن ڇا ڇا سٺو ۽ ٻين قيدين جون ڪهڙيون حالتون هيون، ان جو احوال اچي ٿو.

ساورڪر کي انگريزن به جنر ٿيپ جون سزائون ڏنيون هيون يعني ڪل پنجاه سال ڪاري پاڻيءَ جي جيل سزا ڏني هئي. (ڪاري پاڻيءَ جي سزا ان ڪري چيو ويندو آهي ڇو جو ان وستار جي پاڻيءَ جو رنگ ڪارو ڏسڻ ۾ ايندو آهي.) برٽش راج کي هميشه ڪرانتيڪارين جو خوف سنائيندو هو، ان ڪري اهڙن سزا يافت قيدين کي انڊمان جي سيلبولر جيل ۾ ئي بند رکندا هئا. جتان پڇي نڪرڻ تمام تمام ڏکيو هو. هت موڪليل قيدين کي چڻ قاسيءَ جي سزا ملي هجي!

جڏهن به ساورڪر ولايت ويندو هو ته لنڊن جي 'انڊيا هائوس' ۾ ئي رهندو هو. ڀارتو اسين کي ڀارت جي آزاديءَ ڏيارڻ بابت تيار ڪندو هو. پاشڻ ڏيڻ کان سواءِ هن جون ڪافي مشغوليون هونديون هيون. وڻايڪ جو وڏو ڀاءُ گڻيش پنت به هڪ وڏو ڪرانتيڪاري هو. ڀارت ۾ انگريزن خلاف ڪرانتيڪاري هلچل هلائڻ سبب کيس نيشنل نڪالي ڏني ويئي. ان جو بدلو وٺڻ لاءِ ڪانهيري نالي واري نوجوان ناسڪ جي ڪليڪٽر جو خون ڪري ڇڏيو. بس، پوءِ ته انگريز سرڪار هن خون پٺيان وڻايڪ ساورڪر جو هت آهي، اهو ڏيکاري ساورڪر کي ڊبل ڪاري پاڻيءَ جي سزا ٻڌائي.

پارتييم سنڌو سپا

نيوز ليٽر

۲۱۶۷ انڪ

فيبروري ۲۰۱۹ع

Registered with Newspaper of India (RNI) 70242/94.

To,

ڪاري پاڻيءَ جو سزا يافت قيدي - ساورڪر جو جيل سنگهرش

” منهنجي جيل جي ڪوئيءَ جي ٻاهران اهو گهر منڊن مشر جو سماجھجانءِ. (منڊن مشر

ايڏو وڏو ودوان هو.) اهڙي نموني منهنجي لاءِ پڻ ماڻهو چئي سگهن ته جن سلاخن پير سان مٿا ۽ ٻلبل ويهي هند جي آزاديءَ جا ترانا گائيندا هجن، اها ڪوٺڙي ساورڪر جي سمجھڻ!

وٺايڪ دامودر ساورڪر انڊمان ۾ آيل ’سيلولر جيل‘ ۾ ۱۴ سال ڪاري پاڻيءَ جي سزا جنهن جي اڄ ڪلپنا ڪرڻ ٿي ڏکي آهي) جا ڪاٺيا. جيل مان مُڪت ٿيڻ کان پوءِ هن مرانيءَ

۾ ’مازي جنم ٿيپ‘ نالي لکيل ڪتاب ۾ پنهنجي جيل ۾ ٿيل انيون جو ورڻن ڪيو آهي. اهو ڪتاب هاڻ ڪيترين ئي پاشائن ۾ موجود آهي.

مٿي ڏنل پهريون پٽراگراف ان ڪتاب تان ئي ورتل آهي. ڪاري پاڻيءَ جي سزا وقت ڪيترائي اڪيلائپ، اٽي فقط پکين جي حاضريءَ ان مان ملندڙ آندڙ، جيل ۾ بند قيدين جي من جي ويٺا ۽ ويدنا، ڏهاڪي کان وڌيڪ وقت جيل



روز ٻلبل، مٿا، جهرڪين ۽ ٻين پکين جي جهنڊن جا جهنڊا اچي محفل لڳائيندا هئا. انڊمان جيل جي خشڪ وائاورڻ ۾ پڪي اچي سامهون ويهن ۽ چون چون ڪن، اسان لاءِ هڪ قسم جو منورنجن ٿي پوندو هو. وقت گذرندي پکين جي پاشا سمجھڻ لڳس. مٿا جي پاشا جا ۱۰-۱۵ آواز ته برابر پرڪي ويندو هوس. ڪوئيءَ ۾ ويٺي ويٺي مٿا جو ڪو آواز ٻڌان ته ٻاهر مٿا ڪهڙو ويچار ڪري رهي آهي، اهو سمجھي ويندو هوس!

منهنجي پاشا کي هو سمجھي سگهن اهو هنن لاءِ ممڪن ڪون هو، ڇو جو جيل ۾ پکين کي پالڻ گناهه هو. جيڪڏهن پالي سگهان ها ته ضرور انهن کي آزاديءَ جا ٿي ترانا سيکاريان ها! پوءِ ته جنهن نموني آدي شڪر آچاره ماڻهن کان ڀڄيو هو ته منڊن مشر جو گهر ڪهڙو آهي ته ماڻهن کيس جواب ڏنو هو ته ’جنهن گهر ٻاهران طوطو - مٿا ويهي ويدانت تي چرچا ڪندا هجن،